आती हैं कई तरह की दिक्कतें, कई बार लगता है फिल्म पूरी ही नहीं हो पाएगी

रायपुर। बॉलीवुड के जाने-माने फिल्मकार विवेक अग्निहोत्री गत दिनों आईआईएम रायपुर पहुंचे। इस अवसर पर विवेक ने छात्रों से उनके करियर और शिक्षा संबंधी विभिन्न बातों पर विस्तार से चर्चा की। फिल्म प्रोड्यूसर विवेक ने स्टूडेंट्स को सफलता के लिए महत्त्वपूर्ण दो मंत्र दिए। पहला इरादे और दृढ़ विश्वास की बीच अखंडता आपको अजेय बना सकती है और दूसरा कि आपको हमेशा किसी को प्रभावित करने के बजाय खुद को व्यक्त करने पर ध्यान देना चाहिए। इन मंत्रों को समझाते हुए विवेक अग्निहोत्री ने स्टूडेंट्स से अपने विज्ञापन निर्माण और फिल्म निर्माण के अनुभवों को साझा किया।

आईआईएम पहुंचे बॉलीवुड के फिल्म निर्माता विवेक अग्निहोत्री

डर ही दुश्मन का सटीक हथियार

इस अवसर पर विवेक ने स्टूडेंट्स से कहा कि कभी भी अपने जीवन में किसी से भी नहीं डरना। आपका डर ही आपके दुश्मन के लिए सटीक हथियार है और आपका डर ही आपके सफलता के बीच की दूरी बन जाएगी। सफलता के लिए अपने कॅरियर की विभिन्न घटनाओं को बताते हुए स्टूडेंट्स को टिप्स दिए। कार्यक्रम में स्टूडेंट्स ने विवेक अग्निहोत्री से विभिन्न सवाल पूछे और उदाहरणों के साथ विवेक ने उनका जवाब दिया। अंत में, उन्होंने विद्यार्थियों को कभी न डरने की सलाह दी। संबोधन के अंत में एक प्रश्न और उत्तर सत्र आयोजित किया गया। श्री अग्निहोत्री ने छात्रों को बोलने और परिवर्तन के अग्रदूत बनने की आवश्यकता पर जोर दिया।

एक भी प्रभावित हो तो फिल्म का उद्देश्य पूरा

इस अवसर पर विवेक अग्निहोत्री ने स्टूडेंट्स को अपनी एक फिल्म के बारे में बताया। उन्होंने कहा, सफलता के लिए बलिदान आवश्यक है। विवेक ने उनकी फिल्म, बुद्ध इन ए ट्रैफिक जाम को बनाने की कठिन प्रक्रिया के बारे में बताते हुए कहा, फिल्म से जुड़े सभी पक्षों को इसके डिस्ट्रिब्यूशन के लिए राजी करना पड़ा और आखिरकार जेएनयू में इसकी स्क्रीनिंग के बाद यह एक आंदोलन बन गई। एक ऐसा समय भी आ गया था, जब उन्हें लगने लगा था कि फिल्म कभी पूरी नहीं हो पाएगी। फिल्म के स्टार अनुपम खेर ने उन्हें फिल्म का उद्देश्य ध्यान में रखने का सुझाव दिया और समझाया कि अगर फिल्म देखने के बाद एक भी व्यक्ति बदलता है, तो उद्देश्य पूरा हो जाएगा।

Haribhoomi, 21st Feb 2019, P.16